सरकूलर नं0ः अपमा/2016–2018/97 दिनांक 31–5–2017

''जीएसटी की बढ़ी दरों के सन्दर्भ में''

आप सभी व्यापारी भाईयों को सूचित किया जाता है कि चैम्बर ऑफ ट्रेड एण्ड इण्डस्ट्री के तत्वाधान में दिल्ली विभिन्न–विभिन्न संस्थाआं के व्यापारिक संगठनों का एक प्रतिनिधिमण्डल दिनांक 30–5–2017 को दिल्ली सरकार के माननीय वित्तमंत्री श्री मनीष सिसोदिया जी से दिल्ली सचिवालय में मिला। सभी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने अपने व्यापारी से संबंधित जीएसटी की परेशानियों को माननीय वित्तमंत्री श्री मनीष सिसोदिया जी के समक्ष रखी। अपमा की तरफ से प्रधान श्री आर.के. गुप्ता जी, उप प्रधान श्री सुरेन्द्र जैन जी, उप प्रधान श्री रविन्दर सिंह कोहली जी, महासचिव श्री विष्णु भार्गव जी, कर उपसमिति के चेयरमैन श्री इन्द्रजीत सिंह जी, कन्वीनर श्री सुभाष बजाज जी एवं कार्यकारिणी सदस्य श्री चमन मित्तल जी ने भाग लिया।

साथियों, व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने माननीय वित्तमंत्री श्री मनीष सिसोदिया जी को बताया कि जीएसटी की बढ़ी दरों के कारण छोटे–मोटे व्यापार बंद हो जाएगें। अपमा प्रतिनिधियों ने माननीय वित्तमंत्री श्री मनीष सिसोदिया जी से कहा कि मोटर पार्ट्स एवं ट्रेक्टर पार्ट्स पर जीएसटी की 28% दर की गई है इसके कारण मोटर पार्ट्स एवं ट्रेक्टर पार्ट्स का व्यापार चौपट हो जाऐगा, इसलिए आपसे अनुरोध है कि आगामी 3 जून को होने वाली जीएसटी काउन्सील में मोटर पाट्स की जीएसटी की दर 28% से 18% की जाए एवं ट्रेक्टर पार्ट्स की दर 28% से 12% की जाए तथा जीएसटी के प्रावधानों में बदलाव किये जाए ताकि लाखों व्यापारियों को लाभ मिल सकें। इस पर माननीय वित्तमंत्री श्री मनीष सिसोदिया जी ने आश्वासन दिया कि आगामी 3 जून को होने वाली जीएसटी काउॅन्सील की बैठक में दिल्ली सरकार द्वारा व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए केन्द्र सरकार के माननीय वित्तमंत्री श्री अरूण जेटली के समक्ष जीएसटी से संबंधित दरों एवं प्रावधानों की जटिलताओं की समस्याओं को उनके समक्ष पुरजोर से रखा जाएगा।

साथियों, चैम्बर ऑफ ट्रेड एण्ड इण्डस्ट्री के तत्वाधान में दिल्ली की समस्त व्यापारिक संस्थाओं ने जीएसटी की बढ़ी दरों एवं प्रावधानों के विरोध में 1 जून को टॉउन हॉल से लेकर लालकिला तक व्यापारी भाई अपने हाथों में काली पट्टी बांधकर पैदल मार्च निकालेगे। अतः आप सभी से निवेदन किया जाता है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुॅचकर पैदल मार्च में शामिल होकर जीएसटी की बढ़ी दरों एवं प्रावधानों के खिलाफ अपना विरोध दर्ज करवाये एवं व्यापारिक एकता का परिचय दे।

कृ0प0उ0.....2

सरकूलर नं0: अपमा/2016–2018/98

''जीएसटी के सन्दर्भ में''

आप सभी व्यापारी भाईयों को सूचित किया जाता है कि कन्फैडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स ने दिनांक 29–5–2017 को एनडीएमसी बिल्डिंग में जीएसटी के विषय पर विस्तारपूर्वक चर्चा करने हेतु बठक का आयोजन किया। इस बैठक में दिल्ली की लगभग सभी प्रमुख संस्थाओं से लगभग 600 पदाधिकारियों ने भाग लिया। इस बैठक में Vat Department से Vat Commissioner Shri H. Rajesh Prasad ji, Addl Commissioner Shri Anand Tiwari ji, कैट के National President Shri B.C. Bartiya ji, Navbharat Time से Shri Josph ji, Tally Company से Shri Anwar ji तथा Master Card से Shri Rohan Mishra ji ने न केवल भाग लिया वरन् सही मायने में जीएसटी क्या है उसका अर्थ समझाया।

वैट आयुक्त महोदय जी ने स्वयं व्यापारियों के प्रश्नों/शंकाओं का जवाब दिया और जीएसटी के विभिन्न–विभिन्न प्रावधानों के बारें में श्री तिवारी जी ने विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इनके इलावा टेली कम्पनी के श्री रोहन मिश्रा जी ने भी जीएसटी के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां दी कि किस प्रकार उनकी कम्पनी हम लोगों को सुविधा प्रदान कर सकती है जिसका व्यापारियों ने पूर्ण लाभ उठाया। कैट के National President Shri B.C. Bartiya ji जो स्वयं एक सीए भी है उन्होंने भी बहुत से प्रश्नों को व्यापारिक द्रष्टिकोण से हमें हमारी भाषा में समझाया।

साथियों, Confederation of All India Traders का यह 141वां सेमिनार था, हमें ऐसे सेमिनारों में बढ़–चढ़ के हिस्सा लेना चाहिए तथा जीएसटी को बार–बार समझाना चाहिए क्योंकि यह एक ऐसा कानून है जिसके तीन मूलभूत सिद्धांत है, Completely, Correctly and Timely यदि हमने इस कानून का Completely, Correctly and Timely पालन नहीं किया तो हमें बहुत सी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसमें कोई शक नहीं कि जो हमारे उपर 28% की दर से जीएसटी लगा दिया गया है उसका घोर विरोध करते हैं। हमारा विरोध जारी रहेगा परन्तु साथियों हमें इस कानून को भी साथ–साथ जब भी जहां भी अवसर मिले समझते रहना चाहिए।

साथियों, आपके यदि इस कानून को लेकर कोई जिज्ञासा या प्रश्न हों तो कृपया तुरन्त लिखकर अपमा कार्यालय में भेज देंवे हम यथासंभव शध्रि अति शीध्र उनका समाधान कराने का प्रयास करेंगे।

''आपके लिए कार्यरत आपकी अपमा''

.....

(विष्णु भार्गव)
महासचिव